tyle='mso-bidi-font-weight: normal'>

Title: Issue regarding spot fixing of IPL matches.

श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आप जानते हैं कि पिछले कुछ दिनों से जिस प्रकार से जो आईपीएल का मामला चल रहा है, मैं केवल इतना ही नहीं समझता हूं, हमने स्पॉट फिक्सिंग को लेकर लगभग दो दिन पहले बात की थी, लेकिन रोज कोई न कोई इस प्रकार की घटनायें हमें सुनने को मिलती हैं, जिससे देश शर्मसार हो रहा है। कल रात की यह घटना है, यहीं एक पांच सितारा होटल की घटना है। आईपीएल का मैच दो टीमों के बीच खेला जा रहा था। उसके बाद एक रेव पार्टी थी और उस रेव पार्टी में एक विदेशी महिला के साथ, एक विदेशी खिलाड़ी ने, जो भारतीय टीम आईपीएल के साथ जुड़ा हुआ है, उसने वहां बलात्कार किया। यह चर्चा सब जगह है, देश में तो घूमी ही है, पूरी दुनिया में आग की तरह फैल गयी। उसी प्रकार से परसों रात को, हमारे एक बड़े नामी कलाकार हैं, उनके ऊपर आरोप गढ़ा गया कि शराब पीकर वह मैदान में उतरे थे, उसको पूरे दिन तक हम देखते रहे। क्रिकेट हमारे देश में धर्म की तरह माना जाता है। इसके पहले पांच लड़के स्पॉट फिक्सिंग फंस गए। आपको ज्ञात होगा कि 2 अगस्त, 2011 को स्टैंडिंग कमेटी फाइनान्स ने यहां पर एक रिपोर्ट रखी थी जिसके अंदर यह बताया गया था कि आईपीएल में यह पैसा कैसे टैक्स हेवन से आ रहा है? कैसे देश के विदेशी मुद्रा के नियमों का उल्लंघन किया गया है? उसमें यह भी कहा गया था कि आईपीएल क्रिकेट की संस्कृति को खत्म कर नाचने-गाने की संस्कृति को ले कर आया है। इसलिए जब आप बलात्कार के केस को सुनते हैं तो बहुत दुख होता है। ऐसा लगता है मानो बीसीसीआई इस देश के कानून के ऊपर है, आईपीएल इस देश के कानून के ऊपर है। वह जो चाहता है कर सकता है। कुछ परिस्थिति ऐसी बनी हुई है, कई बार मैं सोचता हूं कि अच्छा हुआ मेरे पिताजी स्वर्गवासी हो गए। यदि वह जिन्दा होते तो जहर खा कर मर जाते। क्या हम आज भी गुलाम हैं? क्या आज भी क्रिकेट और बीसीसीआई सरकार और कानून के ऊपर चलती रहेगी। हम चिट्ठियां लिखते हैं, आगे बात करते हैं उसका कोई असर नहीं पड़ता है।

आपके माध्यम से मैंने पिछली बार भी कहा था और आज फिर आप से पुनः आग्रह करना चाहता हूं, मैं जीता हुआ प्रतिनिधि हूं, दूसरी बार संसद में आया हूं, तीन बार जीत चुका हूं, आपसे हाथ जोड़ कर करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि कृपया इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जांच करा कर यह जो तमाशा बना हुआ है, आईपीएल को लोग कहते हैं कि यह बहुत बड़ा एन्टर्टेन्मेंट है, यह सिनेमा का एन्टर्टेन्मेंट है, जैसे सिनेमा में एक हीरो होता है, एक हिरोइन होती है, एक विलेन होता है वैसे ही खिलाड़ी एक-दूसरे को थप्पड़ मारते हैं, आपस में मिल कर बाहर से सेटलमेंट कर लेते हैं। इन्होंने कल भी यही प्रयास किया। जो विदेशी महिला के साथ बलात्कार हुआ है, कल भी उन्होंने प्रयास किया कि उनसे बाहर से हम सेटलमेंट कर लें लेकिन उस महीला ने कहा कि नहीं मैं पुलिस में मामला दर्ज कराऊंगी। पुलिस को डेढ़ घंटे के बाद बुलाया गया और मामला दर्ज किया गया। ...(व्यवधान) मैं आपको भी निमंत्रण देता हूं। मैं अपनी बात समाप्त कर रहा हूं।

इन सभी चीजों को लेते हुए मैंने अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है। मैं एक स्वतंत्रता सेनानी का बेटा हूं। इसकी आन, बान, शान, और मान-मर्यादा के लिए खेला है। यदि यह चीज नहीं की जाएगी तो इतवार से मैं फिरोजशाह कोटला मैदान में आमरण अनशन पर बैठूंगा और इन सभी चीजों की जानकारी दूंगा।

मैं यह समझता हूं कि जब संसद में हमारी आवाज नहीं सुनी जाती है तो फिर इसके ऊपर आमरण अनशन करना और मर जाना, देश के लिए हमने खेलने का जो काम किया है वह ज्यादा बेहतर होगा इसके बनिस्पत कि मैं यहां बैठूं। धन्यवाद। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर,

डॉ. तरुण मंडल,

श्री शैलेन्द्र कुमार,

श्री पन्ना लाल पुनिया,

श्रीमती पुतुल कुमारी,

श्री रमेन डेका और

श्री विश्व मोहन कुमार, श्री कीर्ति आजाद द्वारा शून्य प्रहर में उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करते हैं।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): मैं एक मिनट में अपनी बात कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान) इन्होंने जो बात कही है वह गंभीर है। सरकार को इसमें कहीं न कहीं, किसी न किसी मौके पर यह जो तमाशा चला रहा है, देश भर में खेल के नाम पर पूरी संस्कृति बिगाड़ी जा रही है। यह ठीक बात कह रहे हैं। इस पर जरूर ध्यान देने की जरूरत है। सरकार में जो मंत्री हैं उनको इस बात पर जरूर गौर करना चाहिए।